IJAMSR

International Conference on Latest Trends in Engineering, Management, Humanities, Science & Technology (ICLTEMHST -2022)
27th November, 2022, Guwahati, Assam, India.

CERTIFICATE NO : ICLTEMHST /2022/C1122952

ट्रांसजेंडर/हिजराओं को सशक्त बनाने के रूप में शिक्षा के योगदान का अध्ययन

SOHAN KUMAR YADAV

Research Scholar, Department of Education,
Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P.

सारांश

किसी राष्ट्र के विकास के लिए लिंग के बावजूद मानव विकास आवश्यक है और शिक्षा किसी राष्ट्र के विकास और प्रगति के लिए मुख्य आवेग है। वर्तमान अध्ययन इस धारणा पर आधारित है कि शिक्षा टीजी/हिजड़ों को सशक्त बना सकती है। हमारा संविधान शिक्षा को हर बच्चे का मौलिक अधिकार बनाता है। देश में टीजी/हिजड़ों की साक्षरता दर बहुत कम है। शिक्षा किसी के भी जीवन को बदल सकती है और विशेष रूप से देश में वंचित ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए। जब समाज के सभी वर्गों को टीजी/हिजड़ों के प्रति संवेदनशील बनाया जाएगा, तो तीसरे समुदाय के खिलाफ हिंसा बहुत कम हो जाएगी। शिक्षा के माध्यम से एक व्यक्ति ज्ञान, कौशल, रोजगार और समाज के साथ सक्रिय भागीदारी प्राप्त करने के लिए एक दृष्टिकोण प्राप्त कर सकता है। औपचारिक शिक्षा में टीजी/हिजड़ों का समावेश उन्हें भारत के सशक्त नागरिकों में बदल देता है। किसी की गरिमा, जीवन की गुणवत्ता और अधिकारों के प्रभावी उपयोग को बढ़ाने के लिए सशक्तिकरण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। जीवन के सभी क्षेत्रों में गहन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा उनके लिए अत्यंत आवश्यक है। समाज द्वारा अपने अलगाव और पीछे हटने के कारण, वे स्वयं अपनी शिक्षा बंद करना पसंद करते हैं। नियमित रूप से स्कूल छोड़ना उनके करियर को अंधकार में धकेल देता है। हमारे देश में लागू की गई विभिन्न शैक्षिक नीतियों में केवल लड़के और लड़कियां शामिल हैं, तीसरे लिंग के नहीं, इसलिए ये नीतियां टीजी/हिजरा छात्रों के लिए सहायक नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद परिदृश्य बदल गया है। अब टीजी/हिजड़ों को शिक्षण संस्थानों में थर्ड जेंडर और समावेशन का दर्जा मिल गया है। यह उन्हें अन्य नागरिकों के साथ समान स्तर पर ला सकता है।